

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

सृजनिका

मासिक पत्रिका



अनुक्रमणिका

1.राजभाषा कार्यान्वयन समिति	01
2.महाबली के स्वागत को तैयार निफ्ट: ओणम 2025 की थीम 'रसामो' का भव्य अनावरण	02
3.दक्षिण की सांस्कृतिक महक से महका निफ्ट प्रांगण: ओणम उत्सव 'रसामो' का भव्य आयोजन	04
4.ज्ञान और मार्गदर्शन का उत्सव: निफ्ट गांधीनगर में 'शिक्षक दिवस' का भव्य आयोजन	07
5.डिज़्नी की कहानियों में 'देसी तड़का' और जेंडर-स्वैप: निफ्ट गांधीनगर में 'टैलेंट शो 2025' की धूम	10
6.सफलता के शिखर की ओर: निफ्ट गांधीनगर में 'दीक्षांत समारोह 2025' का भव्य आयोजन ..	17
7.राजभाषा के गौरव, साहित्य और सृजन का महाकुंभ: निफ्ट गांधीनगर में 'हिंदी पखवाड़ा-2025' का भव्य आयोजन एवं समापन	21
7.परिवेश से लेकर डिजिटल दुनिया तक शुद्धता का संकल्प: निफ्ट गांधीनगर में 'स्वच्छता पखवाड़ा 2025' का ऐतिहासिक आयोजन	35
8.शब्दकोश - सितम्बर 2025	42





राजभाषा कार्यान्वयन समिति

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।" संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के सुचारू रूप से कार्यान्वयन के लिए गठित हमारी राजभाषा कार्यान्वयन समिति:

नाम	पदनाम		नाम	पदनाम	
प्रो. (डॉ.) समीर सूद	परिसर निदेशक		श्री संदीप कुमार मोहर	सहायक प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.डी.	
प्रो. (डॉ.) प्रणव बोरा	प्राध्यापक, एवं संयुक्त निदेशक (प्रभारी)		श्री निलेश कुमार शिधपुरा	सह-प्राध्यापक, एफ.सी. एवं फैकल्टी इंचार्ज (संसाधन केंद्र)	
श्री मनीष भार्गव	सह-प्राध्यापक एवं सी.सी. टी.डी.		सुश्री सुमिता अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक एवं फैकल्टी इंचार्ज (छात्रावास)	
सुश्री आरती सोलंकी	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. डी.एफ.टी.		श्री सुनील कुमार	सह-प्राध्यापक, ए.डी. एवं एसडेक	
सुश्री जपजी कौर कोहली	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.पी.		श्री रूजुल पटेल	लेखा अधिकारी	
डॉ. कृति धोलकिया	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. एम.एफ.एम.		श्री चिराग सोलंकी	वरिष्ठ सहायक निदेशक	
डॉ. रंजीत कुमार	सहायक प्राध्यापक एवं सी.सी. ए.डी.		श्री नवीन गुहर	क्रय अधिकारी	++
डॉ. विशाल गुप्ता	सह प्राध्यापक एवं कैपस अकादमिक कोऑर्डिनेटर		डॉ. हरलीन साहनी	प्रोफेसर एवं सी.आई.सी.	++
सुश्री आकांशा जैन	सहायक प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.सी.		श्री मनीष शर्मा	सहायक प्राध्यापक, ए.डी. एवं नोडल हिंदी अधिकारी	++
डॉ. संजीव जैन	प्रमुख संसाधन केंद्र		श्री गौरव बघेल	कनिष्ठ सहायक, संसाधन केन्द्र, राजभाषा अनुभाग एवं क्रय विभाग	

राजभाषा हिंदी: हमारी पहचान, हमारा सम्मान

महाबली के स्वागत को तैयार निफ्ट

ओणम 2025 की थीम 'रसामो' का भव्य अनावरण

केरल के सबसे बड़े सांस्कृतिक पर्व 'ओणम' की तैयारियां निफ्ट गांधीनगर परिसर में कई दिन पहले से ही अपनी छटा बिखेरने लगती हैं। इसी कड़ी में, मुख्य आयोजन से दो दिन पूर्व यानी 3 सितंबर 2025 को संस्थान के ऑडिटोरियम में एक बेहद रोमांचक और नाटकीय 'थीम अनावरण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'कूल' अंदाज़ में महाबली का नाटकीय प्रवेश हुआ। छात्र-छात्राओं से खचाखच भरे ऑडिटोरियम में उत्सुकता तब चरम पर पहुंच गई, जब पौराणिक राजा 'महाबली' ने एक बेहद आधुनिक और अनोखे रूप में मंच पर प्रवेश किया। पारंपरिक सफेद और सुनहरी धोती, गले में भारी आभूषण, सिर पर मुकुट और आँखों पर 'काला चश्मा' लगाए महाबली के इस स्वैग और नाटकीय प्रस्तुति ने वहां मौजूद सभी दर्शकों को तालियां और सीटियां बजाने पर मजबूर कर दिया। छात्रों की रचनात्मकता का यह बेहतरीन नमूना था, जिसने परंपरा में एक आधुनिक 'निफ्ट टच' जोड़ दिया। विशाल बैनर के साथ 'रसामो' का ऐलान इसी उल्लास और मनोरंजन के बीच, राजा महाबली के हाथों ओणम 2025 की आधिकारिक थीम का अनावरण किया गया। मंच पर ऊपर से नीचे की ओर खुलते हुए एक विशाल और बेहद आकर्षक हस्तनिर्मित बैनर ने इस वर्ष की थीम— 'रसामो' की घोषणा की।



चित्र 1.1 : सभागार के मंच पर 'रसामो' थीम के बैनर के समक्ष राजा महाबली के वेष में एक छात्र द्वारा नाट्य प्रस्तुति



चित्र 1.2 : आधुनिक चश्मे के साथ राजा महाबली के रूप में सजे छात्र का सभागार में मौजूद दर्शकों के बीच एक आकर्षक और मनोरंजक अंदाज़



चित्र 1.3 : निफ्ट परिसर में ओणम 2025 की थीम 'रसामो' का विशाल बैनर का अनावरण, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी एकत्रित हुए

इस लंबे वर्टिकल बैनर पर निफ्ट के विद्यार्थियों द्वारा ओणम से जुड़े विभिन्न प्रतीकों और महाबली के कार्टून स्वरूप को बहुत ही कलात्मक और रंगारंग तरीके से उकेरा गया था। “क्या आप तैयार हैं?” (“Are you ready?”), के संदेश के साथ इस बैनर ने पूरे परिसर में उत्सव का बिगुल फूंक दिया।

उत्सव की शानदार शुरुआत इस ऊर्जावान और रचनात्मक 'थीम लॉन्च' ने यह स्पष्ट कर दिया था कि आगामी ओणम उत्सव निफ्ट के इतिहास में बेहद खास होने वाला है। महाबली के इस मनोरंजक आमंत्रण ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों के भीतर मुख्य आयोजन (5 सितंबर) को लेकर एक भारी उत्साह भर दिया।

दक्षिण की सांस्कृतिक महक से महका निफ्ट प्रांगण

ओणम उत्सव 'रसामो' का भव्य आयोजन

'अनेकता में एकता' की भावना को चरितार्थ करते हुए, 8 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) गांधीनगर के परिसर में दक्षिण भारत के प्रमुख पर्व 'ओणम' का अत्यंत भव्य और रंगारंग आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन द्वारा इस उत्सव का शुभारंभ पारंपरिक गरिमा और पवित्रता के साथ हुआ। संस्थान के निदेशक, प्रो. (डॉ.) समीर सूद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।



चित्र 2.1 : 'रसामो 2025' ओणम उत्सव का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ

'रसामो' नाम से आयोजित इस विशेष उत्सव ने संपूर्ण निफ्ट परिवार को केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक कलाओं और उल्लास से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर 'रसामो' की सुंदर सजावट और फूलों की पारंपरिक रंगोली ने उत्सव के माहौल में चार चांद लगा दिए।



चित्र 2.2 : कॉलेज परिसर के खुले मैदान में पारंपरिक सामूहिक नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं

चेन्डा मेलम की गूंज और राजा महाबली का आगमन इस उत्सव का सबसे प्रमुख और ऊर्जावान आकर्षण 'चेन्डा मेलम' (पारंपरिक ड्रम वादन) की गूंज रही। पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने जब चेन्डा की थाप पर शानदार ताल प्रस्तुत की, तो पूरा प्रांगण उसी ऊर्जा में झूम उठा। इसी बीच, पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अपनी प्रजा से मिलने आए 'राजा महाबली' के मनमोहक स्वरूप ने सभी का मन मोह लिया। महाबली के वेश में सजे विद्यार्थी ने शिक्षकों और छात्र-छात्राओं के साथ तस्वीरें खिंचवाई और सभी को ओणम की शुभकामनाएं दीं।



चित्र 2.3 : राजा महाबली के रूप में सजे छात्र का पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ मंच पर आगमन



चित्र 2.4 : राजा महाबली के वेश में विद्यार्थी, निफ्ट निदेशक, संयुक्त निदेशक एवं एसडेक महोदय एक सामूहिक तस्वीर में

थिरुवाथिरा कली: लावण्य और लय का संगम। ओणम का उत्सव बिना लोकनृत्य के अधूरा है। सुनहरे बॉर्डर वाली पारंपरिक सफेद 'कसावु' साड़ियों में सजी निफ्ट की छात्राओं ने केरल का सुप्रसिद्ध लोकनृत्य 'थिरुवाथिरा कली' प्रस्तुत किया। हरी-भरी घास पर एक वृत्ताकार घेरे में किए गए इस अत्यंत सुंदर, लयबद्ध और अनुशासित नृत्य ने वहां उपस्थित सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।



चित्र 2.5 : कॉलेज के परिसर में उत्सव के माहौल के बीच विद्यार्थियों के बीच से गुजरते महाबली



सफेद और सुनहरे रंगों में रंगा निफ्ट परिवार इस आयोजन की सबसे खूबसूरत बात विद्यार्थियों की भारी उपस्थिति और उनका उत्साह था। क्या छात्र, क्या छात्राएं; पूरा निफ्ट गांधीनगर परिवार केरल के पारंपरिक सफेद और सुनहरे परिधानों में नज़र आया। बालकनी से लेकर मुख्य प्रांगण तक, हर ओर 'ओणम' के विशाल बैनर और मुस्कुराते हुए चेहरे निफ्ट की उस जीवंत संस्कृति की गवाही दे रहे थे, जहाँ आधुनिक डिज़ाइन की शिक्षा ग्रहण कर रहे युवा अपनी जड़ों और परंपराओं से आज भी गहराई से जुड़े हुए हैं।



चित्र 2.6 : मंच पर पारंपरिक नृत्य करते हुए छात्राओं के उल्लासपूर्ण और जीवंत क्षण



चित्र 2.7 : कॉलेज परिसर के मुख्य प्रांगण में उत्सव के लिए उमड़ी छात्रों की विशाल भीड़ का विहंगम दृश्य



ज्ञान और मार्गदर्शन का उत्सव

निफ्ट गांधीनगर में 'शिक्षक दिवस' का भव्य आयोजन

राष्ट्र-निर्माण और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को गढ़ने में गुरुओं के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) गांधीनगर में 'शिक्षक दिवस 2025' अत्यंत हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाया गया। महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के इस पावन अवसर पर संपूर्ण निफ्ट परिवार ने अपने शिक्षकों और मार्गदर्शकों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।



चित्र 3.1 : मंच से सभा को संबोधित करते हुए
निफ्ट निदेशक, प्रो. (डॉ.) समीर सूद



चित्र 3.2 : सभागार में उपस्थित उत्साहित
विद्यार्थी और संकाय सदस्य, जो तालियों के
साथ कार्यक्रम का आनंद ले रहे हैं

प्रेरणादायक संबोधन और उत्साह से भरा ऑडिटोरियम कार्यक्रम का भव्य आयोजन संस्थान के ऑडिटोरियम में किया गया, जो छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों की भारी उपस्थिति से खचाखच भरा हुआ था। समारोह का शुभारंभ निफ्ट गांधीनगर के निदेशक, प्रो. डॉ. समीर सूद के ऊर्जावान और प्रेरणादायक संबोधन से हुआ। उन्होंने मंच से शिक्षा के महत्व, गुरु-शिष्य परंपरा और डिज़ाइन जगत में निरंतर सीखते रहने की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। उपस्थित श्रोताओं ने करतल ध्वनि (तालियों) के साथ उनके विचारों का स्वागत किया।



चित्र 3.3 : मंच पर गीत की
सुरीली प्रस्तुति देती हुई छात्राएँ

छात्रों की ओर से गुरुजनों को संगीतमय भेंट शिक्षक दिवस का यह अवसर विद्यार्थियों के लिए अपने शिक्षकों के प्रति प्यार और आदर जताने का दिन होता है। इसी भाव को स्वर देते हुए, निफ्ट की छात्राओं ने मंच से अत्यंत मधुर संगीतमय प्रस्तुति दी। उनके द्वारा गाए गए गीतों ने ऑडिटोरियम के माहौल को और भी भावपूर्ण और खुशनुमा बना दिया।

उत्कृष्टता का सम्मान: अलंकरण समारोह इस भव्य आयोजन का सबसे प्रमुख और प्रतीक्षित आकर्षण 'सम्मान समारोह' था। शिक्षा एवं संस्थान के विकास में निरंतर उत्कृष्ट योगदान देने वाले वरिष्ठ संकाय सदस्यों एवं अधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया गया। निदेशक महोदय द्वारा उन्हें स्मृति चिह्न और प्रशस्ति भेंट कर सम्मानित किया गया। यह क्षण न केवल पुरस्कार पाने वालों के लिए, बल्कि वहां उपस्थित हर विद्यार्थी के लिए अत्यंत गौरवशाली एवं प्रेरणादायक था।



चित्र 3.4 : समारोह के दौरान निफ्ट निदेशक द्वारा एक अन्य संकाय सदस्य को स्मृति
चिह्न देकर सम्मानित करते हुए

केक कटिंग और एकजुटता का संदेश: समारोह के अंतिम चरण में, मंच पर एक साथ एकत्र होकर सभी वरिष्ठ शिक्षकों, अधिकारियों और निदेशक महोदय ने केक काटकर इस उत्सव की मिठास को साझा किया। यह सौहार्दपूर्ण दृश्य निफ्ट गांधीनगर की उस मजबूत एकजुटता और पारिवारिक भावना को दर्शाता है, जहाँ शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं हैं, बल्कि एक मार्गदर्शक और अभिभावक के रूप में विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा भी देते हैं। शिक्षक दिवस का यह समारोह उल्लास, सम्मान और ढेर सारी सुनहरी यादों के साथ संपन्न हुआ।



चित्र 3.5 : निफ्ट निदेशक, प्रो. (डॉ.) समीर सूद एवं अन्य संकाय सदस्यों मिलकर शिक्षण दिवस उत्सव का केक काटते हुए



चित्र 3.6 : केक कटिंग समारोह के दौरान मंच पर उपस्थित सभी संकाय सदस्यों और अधिकारियों की उल्लासपूर्ण सामूहिक तस्वीर



डिज़्नी की कहानियों में 'देसी तड़का' और जेंडर-स्वैप

निफ्ट गांधीनगर में 'टैलेंट शो 2025' की धूम

रचनात्मकता, अभिनय और बेतहाशा मनोरंजन के एक अद्भुत संगम के साथ, 9 सितंबर 2025 को निफ्ट गांधीनगर का ऑडिटोरियम तालियों, हंसी और असीम ऊर्जा से गूंज उठा। अवसर था बहुप्रतीक्षित 'टैलेंट शो 2025' का, जिसने नए विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं आत्मविश्वास को एक मंच प्रदान किया।

'देसी फेयरीटेल्स': इस वर्ष के टैलेंट शो की थीम बेहद अनूठी, मनोरंजक और विचारोत्तेजक थी— "देसी फेयरीटेल्स: ए जेंडर-स्वैप ट्विस्ट ऑन डिज़्नी क्लासिक्स"। निफ्ट के युवा कलाकारों ने बचपन की मशहूर डिज़्नी कहानियों को न केवल एक 'देसी' (भारतीय) परिवेश में ढाला, बल्कि किरदारों में 'जेंडर-स्वैप' (लिंग-परिवर्तन) का तड़का लगाकर समाज की रूढ़िवादी सोच और जेंडर स्टीरियोटाइप्स को बेहद ही मजेदार और सशक्त तरीके से चुनौती दी। मंच पर उतरतीं देसी टीम और उनके शानदार नाटक कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग टीमों ने मंच पर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। प्रत्येक टीम ने अपनी कहानी के अनुसार शानदार कॉस्ट्यूम, बेहतरीन प्रॉप्स और दमदार अभिनय का प्रदर्शन किया:



चित्र 4.1 : टैलेंट शो 2025 में 'टीम सिंड्रेला' द्वारा अपनी हास्यप्रद जेंडर-स्वैप प्रस्तुति की झलकियाँ और अंत में पूरी टीम की शानदार ग्रुप फोटो

टीम "सिंड्रेला" ने कांच की सैंडल और जादुई कद्दू की कहानी को एक नए और हास्यप्रद देसी रूप में प्रस्तुत किया गया।

टीम रॅपन्ज़ेल: ऊंची मीनार और लंबे बालों वाली इस कहानी का जेंडर-स्वैप वर्ज़न दर्शकों को लोटपोट करने में सफल रहा।



चित्र 4.2 : 'टीम रॅपन्ज़ेल' द्वारा मंच पर ऊंची मीनार और लंबे बालों वाली कहानी का अनोखा देसी रूपांतरण और टीम का सामूहिक चित्र।

टीम स्लीपिंग ब्यूटी: नींद, जादू और देसी ड्रामे के साथ इस टीम ने मंच पर कमाल की ऊर्जा दिखाई।



चित्र 4.3 : 'टीम स्लीपिंग ब्यूटी' की प्रस्तुति के दौरान मंच पर देसी ड्रामे की ऊर्जा और सभी कलाकारों का उत्साह।

टीम 7 इवाफर्स: स्नो व्हाइट और सात बौनों की कहानी को एक बिल्कुल नए और अनोखे नजरिए से पेश किया गया।



चित्र 4.4 : स्नो व्हाइट और सात बौनों की कहानी को एकदम नए और साहसिक नजरिए से पेश करती 'टीम 7 इवाफर्स' की मनमोहक झलकियाँ।

टीम प्रिंसेस एंड फ्रॉग्स: मेंढक और राजकुमारी की इस क्लासिक कहानी के देसी ट्विस्ट ने सभी का दिल जीत लिया।



चित्र 4.5 : मेंढक और राजकुमारी की क्लासिक कहानी में जेंडर-स्वैप का तड़का लगाती 'टीम प्रिंसेस एंड फ्रॉग्स' की बेहतरीन परफॉर्मेंस।



चित्र 4.6 : टैलेंट शो के ऊर्जावान होस्ट्स, उत्साहित दर्शक और निर्णायक मंडल द्वारा घोषणा के बाद विजेताओं के चेहरे पर जीत की चमक बिखेरती सामूहिक तस्वीर।

उत्साह से भरा ऑडिटोरियम और विजेताओं की घोषणा खचाखच भरे ऑडिटोरियम में बैठे दर्शक और संकाय सदस्य हर प्रस्तुति पर तालियों और सीटियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन कर रहे थे। कार्यक्रम के होस्ट्स ने अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग से पूरे माहौल को बांधे रखा। कड़ी प्रतिस्पर्धा और बेहतरीन प्रस्तुतियों के बाद, जब निर्णायक मंडल द्वारा विजेताओं की घोषणा की गई, तो पूरा हॉल खुशी के नारों से गूंज उठा। विजयी टीम के चेहरों की खुशी और सभी प्रतिभागियों का एक साथ मंच पर जश्न मनाना इस बात का प्रमाण था कि निफ्ट में प्रतिस्पर्धा से अधिक टीम-वर्क और कला का सम्मान होता है।

'टैलेंट शो 2025' केवल एक मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह निफ्ट गांधीनगर की उस संस्कृति का परिचायक था जहाँ विद्यार्थी अपनी कला के माध्यम से नए विचार प्रस्तुत करते हैं और सीमाओं को तोड़ते हैं। यह शाम हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव बन गई!



सफलता के शिखर की ओर

निफ्ट गांधीनगर में 'दीक्षांत समारोह 2025' का भव्य आयोजन



चित्र 5.1 : निफ्ट गांधीनगर के दीक्षांत समारोह 2025 के मंच पर विराजमान मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथि।

11 सितंबर 2025 का दिन निफ्ट गांधीनगर के इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ गया। संस्थान के प्रांगण में स्नातक 'बैच 2025' के लिए बहुप्रतीक्षित 'दीक्षांत समारोह' का अत्यंत भव्य और गरिमामय आयोजन किया गया। यह दिन उन युवा डिज़ाइनरों, टेक्नोक्रेट्स और फैशन प्रबंधकों की वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और रचनात्मकता के सम्मान का दिन था, जो अब निफ्ट की दहलीज पार कर वैश्विक पेशेवर दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं।

अतिथियों का शानदार स्वागत और दीप प्रज्वलन

समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. जयंती एस. रवि (IAS), अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, गुजरात सरकार एवं सचिव, ऑरोविले फाउंडेशन (चेन्नई), को दिए गए भव्य 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ हुई। इसके पश्चात, सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा ज्ञान और ऊर्जा के प्रतीक स्वरूप 'दीप प्रज्वलन' कर इस पावन शैक्षणिक महाकुंभ का विधिवत उद्घाटन किया गया। निदेशक महोदय द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. जयंती एस. रवि को सम्मान स्वरूप स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया।



चित्र 5.2 : निफ्ट अधिकारी, मुख्य अतिथि डॉ. जयंती एस. रवि (आईएसएस) का निफ्ट परिसर में 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ शानदार स्वागत करते हुए।



चित्र 5.3 : सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर दीक्षांत समारोह का विधिवत शुभारंभ करते हुए।

अकादमिक रिपोर्ट और प्रेरणादायक संबोधन

समारोह को आगे बढ़ाते हुए निफ्ट गांधीनगर के निदेशक, प्रो. (डॉ.) समीर सूद ने मंच से संस्थान की वार्षिक अकादमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने अपने ऊर्जावान संबोधन में निफ्ट की निरंतर उपलब्धियों का उल्लेख किया और विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में एसडीसी फाउंडेशन के संस्थापक, श्री अनूप नौटियाल भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में युवा स्नातकों को समाज और पर्यावरण के प्रति एक ज़िम्मेदार पेशेवर बनने और डिज़ाइन के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।



चित्र 5.4 - 5.6 (बाएं से दाएं): दीक्षांत समारोह के दौरान सभा को संबोधित करते निफ्ट निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद, मुख्य अतिथि डॉ. जयंती एस. रवि को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए, तथा नवस्नातकों को अपना प्रेरक संबोधन देते विशिष्ट अतिथि श्री अनूप नौटियाल।

गौरव का क्षण: दीक्षांत प्रतिज्ञा

इस पूरे समारोह का सबसे भावुक और गौरवशाली क्षण वह था, जब डीन (अकादमिक, निफ्ट), प्रो. (डॉ.) नूपुर आनंद ने पारंपरिक दीक्षांत परिधानों में सजे सभी स्नातकों को 'दीक्षांत प्रतिज्ञा' दिलाई। ऑडिटोरियम में दायां हाथ आगे बढ़ाकर ली गई इस सामूहिक शपथ के साथ ही विद्यार्थियों ने अपने पेशे के प्रति ईमानदारी, नैतिकता और राष्ट्र निर्माण में अपने रचनात्मक योगदान का दृढ़ संकल्प लिया।



चित्र 5.7 : बैच 2025 के नवस्नातक, डीन (अकादमिक), प्रो. (डॉ.) नूपुर आनंद द्वारा दीक्षांत प्रतिज्ञा लेते हुए।

आभार प्रदर्शन और समापन

कार्यक्रम के अंत में, निफ्ट गांधीनगर के संयुक्त निदेशक, प्रो. (डॉ.) प्रणव वोरा ने उपस्थित सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

निफ्ट गांधीनगर का यह दीक्षांत समारोह केवल शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि अनगिनत संभावनाओं से भरी एक नई शुरुआत का प्रतीक है। पूरा निफ्ट परिवार अपने 'बैच 2025' के सभी स्नातकों के स्वर्णिम और सफल भविष्य की कामना करता है!



चित्र 5.8 : निफ्ट गांधीनगर के संयुक्त निदेशक, प्रो. (डॉ.) प्रणव वोरा द्वारा दीक्षांत समारोह के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए।

राजभाषा के गौरव, साहित्य और सृजन का महाकुंभ

निफ्ट गांधीनगर में 'हिंदी पखवाड़ा - 2025' का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), गांधीनगर में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार, प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और सरकारी कामकाज में इसके उपयोग के लिए एक उत्साहवर्धक वातावरण बनाने के उद्देश्य से 'हिंदी पखवाड़ा - 2025' का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष मुख्य आयोजन से पूर्व, गांधीनगर (गुजरात) में 14 एवं 15 सितंबर 2025 को 'हिंदी दिवस' तथा 'पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया था। इसके तत्पश्चात, संस्थान में 16 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 की अवधि के दौरान हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न रचनात्मक और तकनीकी प्रतियोगिताओं की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित की गई।

प्रतियोगिताओं का तिथिवार संक्षिप्त विवरण

पखवाड़े के सफल संचालन के लिए संस्थान के अधिकारी वर्ग, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसका विवरण निम्नलिखित तालिका में है:

दिनांक (2025)	कार्यक्रम / प्रतियोगिता का नाम	लक्षित प्रतिभागी वर्ग
16 सितंबर	शुभारम्भ एवं राजभाषा प्रतिज्ञा	सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी
16 सितंबर	कविता पाठ प्रतियोगिता	केवल विद्यार्थी
17 सितंबर	टंकण गति प्रतियोगिता	केवल स्टाफ (कर्मचारी)
18 सितंबर	निबंध प्रतियोगिता	केवल स्टाफ (कर्मचारी)
18 सितंबर	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	केवल विद्यार्थी
22 सितंबर	श्रुत लेखन प्रतियोगिता	केवल एम.टी.एस. (MTS) स्टाफ
23 सितंबर	चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता	केवल विद्यार्थी
25 सितंबर	हिंदी अनुवाद एवं भाषा ज्ञान प्रतियोगिता	केवल विद्यार्थी
30 सितंबर	पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह	सभी निफ्ट गांधीनगर परिवार सदस्य

++

++

++

++

शुभारंभ समारोह, संदेश पठन एवं राजभाषा प्रतिज्ञा (16 सितंबर 2025)

हिंदी पखवाड़े का औपचारिक उद्घाटन संस्थान के ऑडिटोरियम में बेहद गरिमापूर्ण माहौल में हुआ।

काव्य पाठ से शुरुआत: कार्यक्रम का आरंभ हिंदी नोडल अधिकारी द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की प्रसिद्ध कविता "मेरी भाषा में तोते भी राम राम जब कहते हैं" के सुमधुर पाठ से किया गया।

शुभकामना संदेशों का पठन: इस अवसर पर निफ्ट मुख्यालय से प्राप्त देश के शीर्ष महानुभावों के हिंदी दिवस संदेशों का वाचन डॉ. नूपुर चोपड़ा, प्रो. (डॉ.) प्रणव वोरा, डॉ. भरत जैन एवं श्री संजीव जैन द्वारा किया गया। इनमें माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह, माननीय केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबीत्रा मार्गेरिता, माननीय वस्त्र सचिव श्रीमती नीलम शमी राव और माननीया महानिदेशक (निफ्ट) श्रीमती तनु कश्यप के प्रेरणादायी संदेश शामिल थे।



चित्र 6.1 : शुभकामना संदेश पठन: 'हिंदी पखवाड़ा' के शुभारंभ समारोह में देश के शीर्ष महानुभावों के प्रेरणादायी 'हिंदी दिवस संदेशों' का वाचन करते निफ्ट के वरिष्ठ अधिकारी एवं संकाय सदस्य।



चित्र 6.2: उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों व निर्णायकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक स्वरूप 'हरित पौधे' भेंट कर सम्मानित करते अधिकारी

राजभाषा प्रतिज्ञा: संदेश पठन के उपरांत संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा ऑडिटोरियम में उपस्थित संयुक्त निदेशक, संकाय गणों, अधिकारियों और कर्मचारियों को राजभाषा के संवर्धन के लिए 'राजभाषा प्रतिज्ञा' दिलाई गई। इसके बाद औपचारिक रूप से आगामी प्रतियोगिताओं की घोषणा की गई।



चित्र 6.3 : राजभाषा प्रतिज्ञा: शुभारंभ समारोह में निफ्ट गांधीनगर के निदेशक महोदय के नेतृत्व में राजभाषा संवर्धन की सामूहिक शपथ लेते अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी।

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता (16 सितंबर 2025)

शुभारंभ के ठीक बाद विद्यार्थियों के लिए इस साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 18 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें प्रतिभागियों को स्वरचित और किसी रस (वीर, हास्य, वात्सल्य आदि) से ओत-प्रोत कविता का पाठ करना था।

निर्णायक मंडल: प्रतियोगिता के जज कवि श्री दिनेश गहलोत, श्री संजीव कुमार एवं श्री सर्वेश तिवारी थे। श्री दिनेश गहलोत जी ने अपनी कविताओं से ऐसा समां बांधा कि पूरा सभागार जोश से भर गया।

विजेता: अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के कारण सुश्री अरुणि ढींगरा ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

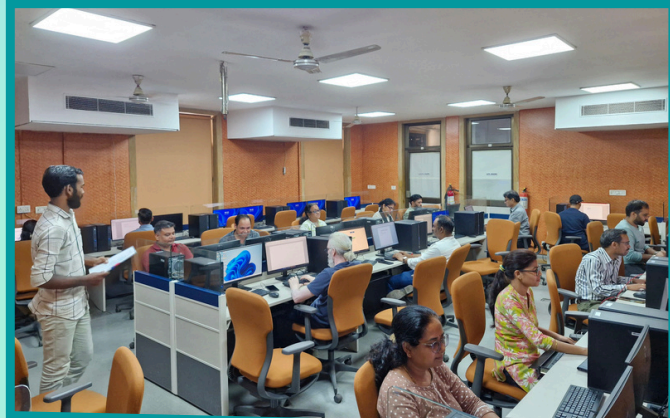
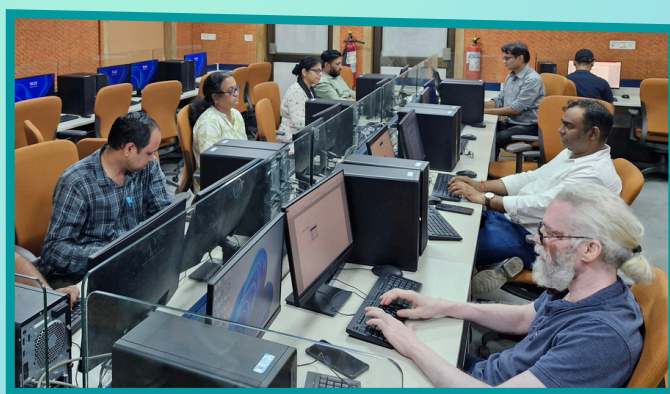


चित्र 6.4 : कविता पाठ प्रतियोगिता: ऑडिटोरियम के मंच से अपनी स्वरचित एवं विभिन्न रसों से ओत-प्रोत कविताओं की भावपूर्ण प्रस्तुति देते निपट के प्रतिभावान विद्यार्थी।

डिजिटल तकनीक और राजभाषा: हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (17 सितंबर 2025)

कार्यालयीन कार्यों में कंप्यूटर पर हिंदी के प्रयोग को सुगम बनाने के उद्देश्य से आई.टी. लैब में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्थान के कुल 16 अधिकारियों और कर्मचारियों ने कंप्यूटर में स्थापित हिंदी सॉफ्टवेयर (यूनिकोड) की सहायता से एक सरकारी पत्र को तीव्र गति और शुद्धता से टाइप करने की चुनौती में भाग लिया।

निर्णायक एवं विजेता: इस टंकण परीक्षा के निर्णायक श्री दिनेश गहलोत जी थे । परीक्षा प्रकोष्ठ में कार्यरत कनिष्ठ सहायक श्री इमरान अली मंसूरी ने 97.5 अंक पाकर प्रथम स्थान हासिल किया ।



चित्र 6.5 : हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता: आई.टी. लैब में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान कंप्यूटर पर यूनिकोड के माध्यम से पूर्ण एकाग्रता, तीव्रता और शुद्धता के साथ हिंदी टाइपिंग करते प्रतिभागी अधिकारी व कर्मचारी।

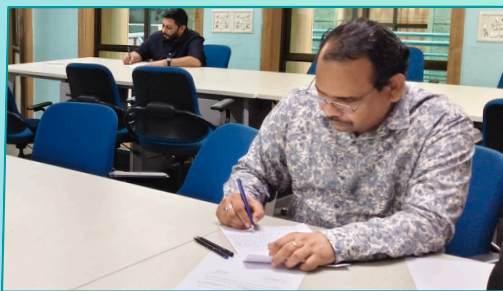


वैचारिक कौशल की परख: हिंदी निबंध प्रतियोगिता (18 सितंबर 2025)

कर्मचारियों की तार्किक सोच को रचनात्मक अभिव्यक्ति देने के लिए ए.डी. स्टूडियो में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कुल 13 प्रतिभागियों को अधिकतम 1500 शब्दों में अपने विचार लिखने थे। निबंध के लिए बेहद प्रासंगिक विषय दिए गए थे जैसे:

- आधुनिक फैशन में भारतीयता की तलाश
- शिक्षण का नया स्वरूप: शिक्षक से मेंटर तक
- खेल भावना: जीवन का मंत्र
- एक रचनात्मक संस्थान में मेरा योगदान: 'अदृश्य' नायकों का महत्व

निर्णायक एवं विजेता: इसकी निर्णायक डॉ. जया शर्मा जी थीं। फैशन डिजाइन विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री संदीप कुमार ने इसमें प्रथम स्थान प्राप्त किया। विशेष बात यह रही कि संस्थान के दो सुरक्षा कर्मचारियों ने भी इसमें भाग लिया, जिनमें से श्री चांद सिंह शेखावत जी को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।



चित्र 6.6 : हिंदी निबंध प्रतियोगिता: ए.डी. स्टूडियो में समसामयिक और प्रासंगिक विषयों पर गंभीर चिंतन के साथ अपने रचनात्मक व तार्किक विचार लिखते निपट के अधिकारी एवं कर्मचारी।

ज्ञान और बुद्धि का परीक्षण: हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (18 सितंबर 2025)

इसी दिन विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान और हिंदी भाषा व साहित्य के ज्ञान को परखने के लिए क्विज का आयोजन किया गया ।

स्वरूप: कुल 14 विद्यार्थियों ने इस बहुविकल्पीय (MCQ) प्रश्न-पत्र को 50 मिनट की समयावधि में हल किया । इसमें कोई नकारात्मक अंक नहीं रखे गए थे ।

निर्णायक एवं विजेता: श्रीमती जया शर्मा जी के निरीक्षण में हुई इस प्रतियोगिता में फैशन डिजाइन के छात्र श्री देशदीपक राजपूत ने प्रथम स्थान अर्जित किया ।



चित्र 6.7 : हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता: सामान्य ज्ञान और हिंदी साहित्य पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र को पूरी एकाग्रता के साथ हल करते निपट के विद्यार्थी।

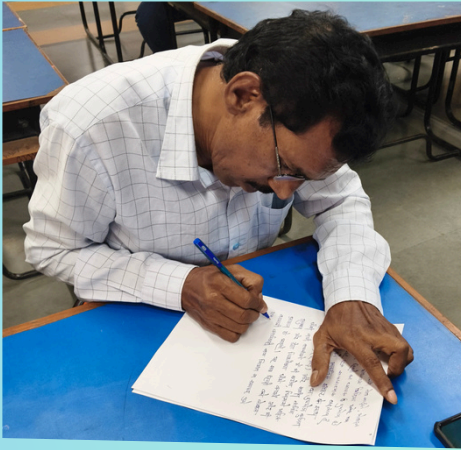


शुद्ध वर्तनी का आकलन: हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (22 सितंबर 2025)

संस्थान के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (एम.टी.एस. वर्ग) के मनोबल और लेखन शुद्धता को निखारने के लिए विशेष रूप से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

विवरण: कुल 9 एम.टी.एस. कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया । उन्हें "सरकारी कामकाज में हिंदी का महत्व और उसका भविष्य" विषय पर आधारित 546 शब्दों के एक गद्यांश/भाषण को सुनकर 60 मिनट में शुद्धता से लिखना था ।

निर्णायक एवं विजेता: इसकी निर्णायक श्रीमती वर्षा बी. पारेख जी थीं । इसमें बेहतरीन और शुद्ध लेखन के लिए श्री नारनभाई वाघेला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।



चित्र 6.8 : हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता: अपनी लेखन शुद्धता और वर्तनी को निखारने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में गद्यांश को ध्यानपूर्वक सुनकर कागज़ पर उकेरते संस्थान के एम.टी.एस. कर्मचारी।

दृश्यों को मिले शब्द: 'चित्र देखो, कहानी लिखो' प्रतियोगिता (23 सितंबर 2025)

निफ्ट जैसे रचनात्मक डिजाइन संस्थान के विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति को शब्दों में पिरोने के लिए यह अनूठी प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्वरूप: स्मार्टबोर्ड पर दिखाई गई विभिन्न चित्रों की एक श्रृंखला को देखकर 24 विद्यार्थियों ने 60 मिनट के भीतर 250 से 300 शब्दों की एक मौलिक, अर्थपूर्ण और रसपूर्ण कहानी की रचना की।

निर्णायक एवं विजेता: श्रीमती वर्षा बी. पारेख जी द्वारा जाँचे गए इन पत्रों में से फैशन एवं उपकरण डिजाइन विभाग की कुमारी रसिका जादव को उनकी सर्वश्रेष्ठ कहानी के लिए प्रथम स्थान मिला।

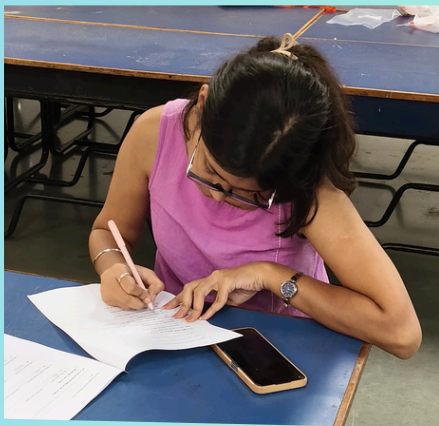
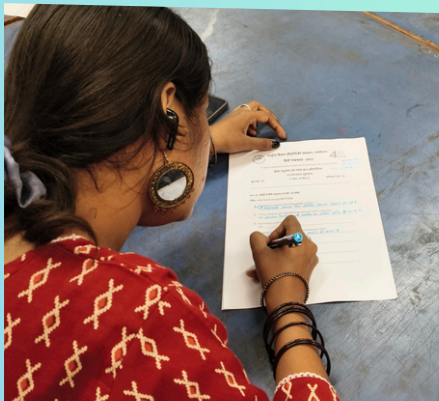


चित्र 6.9 : 'चित्र देखो, कहानी लिखो' प्रतियोगिता: निफ्ट गांधीनगर के स्टूडियो में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान दृश्य प्रॉम्प्ट्स को देखकर अपनी कल्पनाशक्ति से मौलिक और रचनात्मक कहानियां लिखते निफ्ट के विद्यार्थी।

द्विभाषी दक्षता: हिंदी अनुवाद एवं भाषा ज्ञान प्रतियोगिता (25 सितंबर 2025)

पखवाड़े की अंतिम प्रतियोगिता के रूप में विद्यार्थियों के अनुवाद कौशल का परीक्षण किया गया, जिसमें 12 प्रतिभागियों (विद्यार्थियों) ने भाग लिया। प्रश्न-पत्र को तीन भागों में बांटा गया था: अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद, हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद, तथा व्याकरण एवं शब्द प्रयोग। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के मोबाइल या शब्दकोश का प्रयोग वर्जित था।

निर्णायक एवं विजेता: नराकास गांधीनगर से राजभाषा विशेषज्ञ श्री सर्वेश तिवारी जी इसके निर्णायक थे। फैशन कम्युनिकेशन विभाग की अवनि ढोंगरा ने इस अनुवाद परीक्षा में भी बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

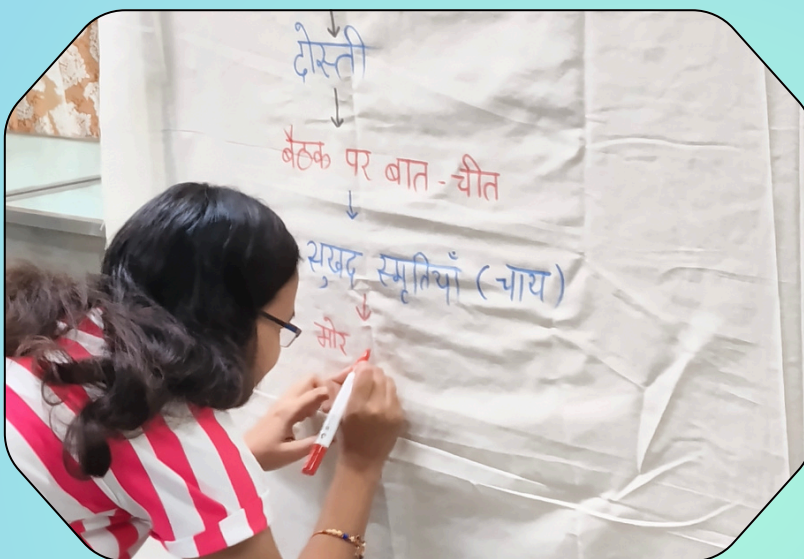
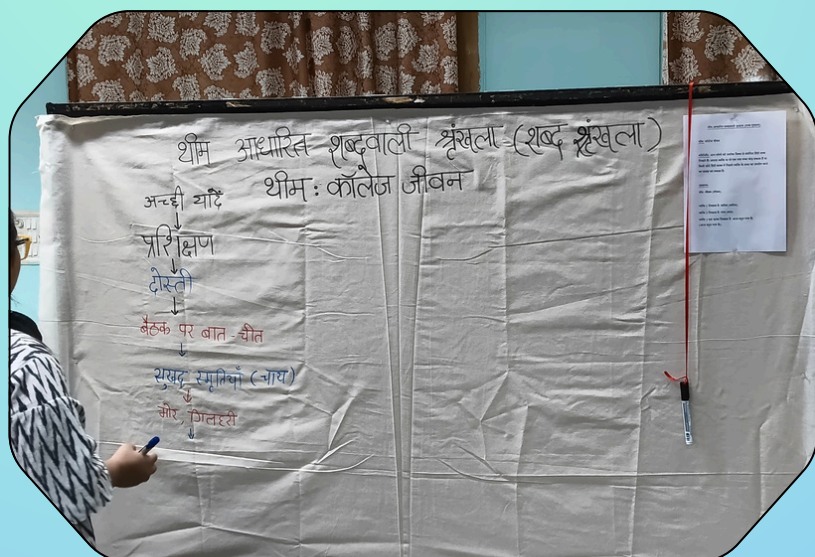


चित्र 6.10 : हिंदी अनुवाद एवं भाषा ज्ञान प्रतियोगिता: अपनी द्विभाषी दक्षता का परिचय देते हुए अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद तथा व्याकरण के प्रश्नों को पूरी एकाग्रता के साथ हल करते निपट के विद्यार्थी।



पखवाड़े के दौरान निरंतर चली गतिविधि: शब्द श्रृंखला

इन मुख्य प्रतियोगिताओं के अलावा पूरे पखवाड़े के दौरान परिसर में 'कॉलेज जीवन' थीम पर आधारित एक बेहद रोचक थीम-आधारित शब्दावली (शब्द श्रृंखला) गतिविधि चलाई गई। इसमें एक कपड़े/बोर्ड पर विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने कॉलेज जीवन से जुड़े हिंदी शब्द लिखे और आने वाले अगले व्यक्ति ने उस शब्द के आगे एक नया शब्द जोड़ा या उस शब्द का प्रयोग कर एक सुंदर वाक्य बनाया। इस अनौपचारिक गतिविधि ने पूरे परिसर को हिंदीमय बनाए रखने में बहुत मदद की।



चित्र 6.11 : थीम आधारित शब्द श्रृंखला: परिसर को हिंदीमय बनाने की एक अनूठी पहल; 'कॉलेज जीवन' की थीम पर आधारित इस रोचक गतिविधि के अंतर्गत सूती कपड़े के बोर्ड पर नए हिंदी शब्द और अपनी सुखद स्मृतियाँ जोड़ते प्रतिभागी।

भव्य समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण (30 सितंबर 2025)

15 दिनों के इस भाषाई महाकुंभ का तार्किक और उल्लासपूर्ण समापन 30 सितंबर 2025 को संस्थान के ऑडिटोरियम में हुआ।

उपस्थिति और अभिनंदन: समापन के अवसर पर माननीय निदेशक महोदय, संयुक्त निदेशक महोदय, सभी प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। पारंपरिक दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत के साथ समारोह आगे बढ़ा।

पुरस्कारों की बौछार: वस्त्र मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन (सं. ई-11019/2/2025-हिंदी दिनांक 19 अगस्त 2025) के नियमानुसार सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए। इस पूरे पखवाड़े के दौरान कुल 44 पुरस्कार वितरित किए गए, जिनमें से विद्यार्थियों ने 28 पुरस्कारों पर अपना परचम लहराया। वस्त्र मंत्रालय के नियमानुसार प्रथम पुरस्कार के लिए ₹5000, द्वितीय के लिए ₹4000, तृतीय के लिए ₹3000 और प्रोत्साहन के लिए ₹1000 की राशि निर्धारित थी।

आभार ज्ञापन: राजभाषा अनुभाग की ओर से सहयोगी श्री गौरव बघेल (कनिष्ठ सहायक) तथा आयोजन को पर्दे के पीछे रहकर सफल बनाने वाले तीन समर्पित विद्यार्थी स्वयंसेवकों—अंशु, कृष्णा और कृष्ण मोहन के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया।



चित्र 6.12 : भव्य समापन समारोह: 'हिंदी पखवाड़ा 2025' के सफल समापन के अवसर पर ऑडिटोरियम में उपस्थित निफ्ट परिवार एवं मंच से संबोधित करते नोडल हिंदी अधिकारी।



चित्र 6.13 : पुरस्कार वितरण: 'हिंदी पखवाड़ा 2025' की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंच पर प्रमाण-पत्र एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित करते निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद व वरिष्ठ अधिकारी।

निफ्ट, गांधीनगर में आयोजित 'हिंदी पखवाड़ा - 2025' केवल कागजी या रस्मी औपचारिकता नहीं था, बल्कि अपनी भाषाई जड़ों के प्रति सम्मान और गर्व प्रकट करने का एक जीवंत माध्यम साबित हुआ। समारोह के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने यह दृढ़ संकल्प लिया कि वे केवल इन 15 दिनों में ही नहीं, बल्कि वर्षभर अपने दैनिक आधिकारिक कार्यों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को निरंतर बनाए रखेंगे और अपनी मातृभाषा व राजभाषा को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करेंगे।



चित्र 6.14 : समापन समारोह के दौरान सभी विजेताओं के साथ निफ्ट परिवार का सामूहिक चित्र।

"हमारी नागरी लिपि दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपि है।" – राहुल सांकृत्यायन
जय हिंद, जय राजभाषा!

परिवेश से लेकर डिजिटल दुनिया तक शुद्धता का संकल्प

निफ्ट गांधीनगर में 'स्वच्छता पखवाड़ा 2025' का ऐतिहासिक आयोजन

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) गांधीनगर केवल बेहतरीन डिज़ाइनर ही नहीं गढ़ता, बल्कि अपने विद्यार्थियों को देश, समाज और प्रकृति के प्रति एक ज़िम्मेदार नागरिक भी बनाता है। महात्मा गांधी के 'स्वच्छ भारत' के सपने को साकार करने के उद्देश्य से, संस्थान में अत्यंत उत्साह, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ 'स्वच्छता पखवाड़ा 2025' का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े में भौतिक पर्यावरण की सफाई, 'सफाई मित्रों' का सम्मान, 'डिजिटल स्वच्छता' और कलात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से जन-जागरूकता को विशेष रूप से शामिल किया गया।

स्वच्छता शपथ के साथ हुआ भव्य शुभारंभ

पखवाड़े का शुभारंभ एक सामूहिक 'स्वच्छता शपथ' के साथ किया गया। खुले प्रांगण में निफ्ट गांधीनगर के निदेशक महोदय, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने एक साथ खड़े होकर स्वच्छता का संकल्प लिया। इसके साथ ही प्रशासनिक भवनों और विभागों में भी अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपने कार्यस्थलों पर यह प्रण लिया कि— "न मैं गंदगी करूँगा और न ही किसी और को करने दूँगा।"



चित्र 7.1: 'स्वच्छता पखवाड़ा 2025' का शुभारंभ: निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद के नेतृत्व में स्वच्छता की सामूहिक शपथ लेता निफ्ट परिवार।

स्वयं से शुरुआत: 'श्रमदान' एवं परिसर सफाई अभियान

शपथ को केवल शब्दों तक सीमित न रखते हुए, निफ्ट परिवार ने 'श्रमदान' के माध्यम से स्वच्छता को धरातल पर उतारा। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद के नेतृत्व में संकाय सदस्यों, अधिकारियों और छात्र-छात्राओं ने स्वेच्छा से आगे आकर परिसर की सफाई की। हाथों में दस्ताने और कचरा-थैले लेकर सभी ने परिसर से कचरा उठाया, जो इस बात का प्रतीक था कि स्वच्छता केवल उपदेश देने का नहीं, बल्कि स्वयं आगे बढ़कर पहल करने का कार्य है।



चित्र 7.2: 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत निफ्ट परिसर में श्रमदान: (ऊपर) 'स्वच्छोत्सव' बैनर के साथ सफाई अभियान में एकजुट निफ्ट परिवार; तथा (नीचे) स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश देते निफ्ट संयुक्त निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रणव वीरा, अधिकारी एवं विद्यार्थी।



स्वच्छता के प्रहरियों का सम्मान: 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर'

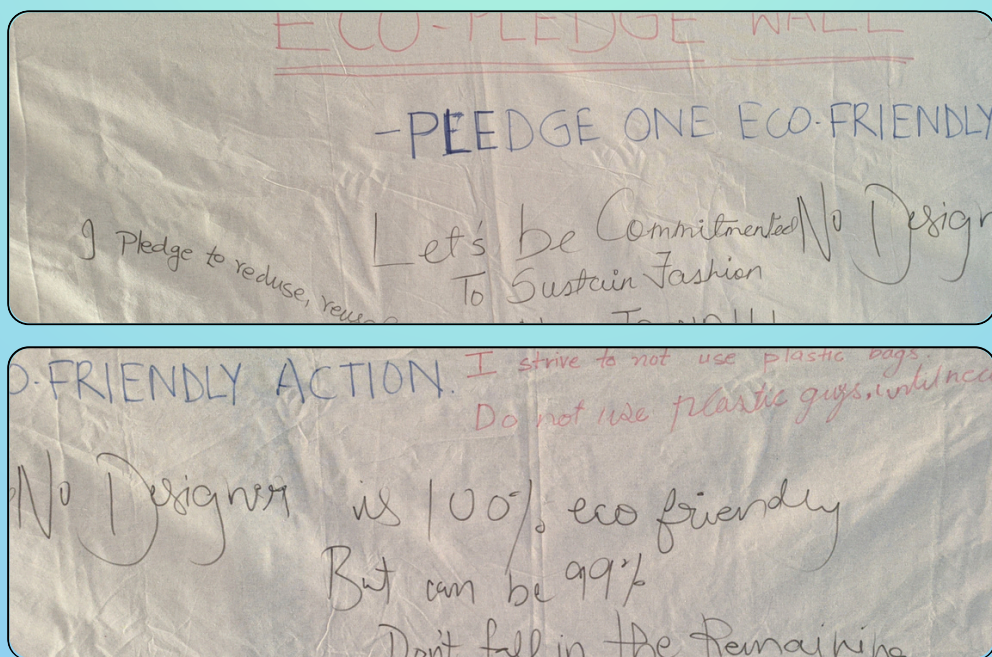
जो हाथ परिसर को दिन-रात स्वच्छ रखते हैं, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी संस्थान का परम कर्तव्य है। इसी मानवीय सोच के साथ पखवाड़े के दौरान एक विशेष 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' (स्वास्थ्य जांच शिविर) का आयोजन किया गया। इस शिविर में निफ्ट के सभी सफाई कर्मचारियों (सफाई मित्रों) के स्वास्थ्य की जांच की गई, जिसमें रक्तचाप की जाँच और सामान्य स्वास्थ्य परामर्श शामिल था। यह पहल संस्थान की अपने 'ग्राउंड-लेवल' कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता को दर्शाती है।



चित्र 7.3: 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर': (ऊपर) 'स्वच्छोत्सव' के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर का विस्तृत दृश्य; तथा (नीचे) मेडिकल टीम द्वारा निफ्ट के सफाई कर्मचारियों की स्वास्थ्य जाँच व रक्तचाप (BP) का परीक्षण।

विचारों का रंगारंग कैनवस: 'इको प्लेज वॉल'

पखवाड़े की सबसे रचनात्मक गतिविधियों में से एक रही 'इको प्लेज वॉल'। संस्थान के गलियारे में एक विशेष सफेद दीवार तैयार की गई, जिसे विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने अपने 'हरित संकल्पों' से सजा दिया। यह दीवार निफ्ट परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी का एक अत्यंत सुंदर और जीवंत प्रतीक बन गई।



चित्र 7.4: 'इको प्लेज वॉल' के प्रेरणादायक संदेश: पखवाड़े के दौरान निफ्ट के विद्यार्थियों द्वारा प्लास्टिक मुक्त परिसर और 'सस्टेनेबल फैशन' को अपनाने के सुंदर व हरित संकल्प।

रंगों और तूलिका से उकेरा संदेश: पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

निफ्ट के विद्यार्थियों की मूल पहचान उनकी रचनात्मकता है। स्टूडियो और कार्यशालाओं में आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपने ब्रश और जीवंत रंगों का उपयोग करते हुए पर्यावरण संरक्षण और कचरा प्रबंधन की थीम पर बेहद आकर्षक और विचारोत्तेजक पोस्टर तैयार किए। इसके साथ ही, परिसर में पर्यावरण-अनुकूल और हस्तनिर्मित उत्पादों के सुंदर स्टॉल भी लगाए गए, जिन्होंने कबाड़ से जुगाड़ और कलात्मक रीसाइक्लिंग का बेहतरीन संदेश दिया।



चित्र 7.5: रंगों से उकेरा स्वच्छता का संदेश: डिज़ाइन स्टूडियो में 'पर्यावरण संरक्षण' और कचरा प्रबंधन की थीम पर प्राकृतिक तत्वों व रंगों से रचनात्मक पोस्टर तैयार करते निफ्ट के विद्यार्थी।



अभिनय के माध्यम से जागरूकता: 'नुक्कड़ नाटक' का प्रभावी मंचन

स्वच्छता के संदेश को सीधे जनता के दिलों तक पहुँचाने के लिए, प्रांगण में विद्यार्थियों द्वारा एक अत्यंत ऊर्जावान 'नुक्कड़ नाटक' का मंचन किया गया। कला और नाटक की शक्ति का उपयोग करते हुए, छात्र-छात्राओं ने झाड़ू और पोस्टर्स के साथ शानदार अभिनय प्रस्तुत कर नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया।



चित्र 7.6: कला और अभिनय से जागरूकता: निफ्ट प्रांगण में 'नुक्कड़ नाटक' के जीवंत व ऊर्जावान मंचन के माध्यम से स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारियों का प्रभावी संदेश देते विद्यार्थी।

मातृत्व और प्रकृति का वंदन: 'एक पेड़ माँ के नाम'

इस पखवाड़े का सबसे भावुक क्षण वह था, जब निफ्ट परिवार ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। निफ्ट गांधीनगर के निदेशक महोदय के नेतृत्व में विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने अपनी माताओं के सम्मान में परिसर में नए पौधे रोपे। हाथों में तख्तियां लिए निफ्ट परिवार ने यह संदेश दिया कि प्रकृति भी हमारी माँ है और इसका संरक्षण हमारा परम कर्तव्य है।

++

++

++

++



चित्र 7.7: मातृत्व और प्रकृति का वंदन: (ऊपर दाएँ) '#एक_पेड़_माँ_के_नाम' अभियान का संदेश देता निफ्ट परिवार का सामूहिक चित्र; तथा (अन्य) परिसर में नए पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प पूरा करते निफ्ट निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद, वरिष्ठ अधिकारी एवं विद्यार्थी।

++

++

++

++

डिजिटल युग की सतर्कता: 'साइबर हाइजीन' कार्यशाला

आज के तकनीकी युग में हमारे 'डिजिटल जीवन' को सुरक्षित रखना भी उतना ही अनिवार्य है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, कंप्यूटर लैब में आयोजित 'साइबर हाइजीन कार्यशाला' में विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं और स्टाफ को पासवर्ड सुरक्षा, फिशिंग स्कैम, डिजिटल क्लीनअप और निजी डेटा की सुरक्षा के प्रति विस्तार से जागरूक किया।



चित्र 7.8: डिजिटल सतर्कता: कंप्यूटर लैब में आयोजित 'साइबर हाइजीन' कार्यशाला के दौरान सुरक्षित ऑनलाइन आदतों (Cyber Hygiene) और डेटा सुरक्षा के प्रति जागरूक होते निफ्ट के प्रतिभागी।

सफलता का जश्न: सम्मान और पुरस्कार वितरण समारोह

पखवाड़े का शानदार समापन एक गरिमामयी 'सम्मान समारोह' के साथ हुआ। इस अवसर पर स्वच्छता अभियानों, नुक्कड़ नाटक और विभिन्न प्रतियोगिताओं को सफल बनाने वाले विद्यार्थियों, सजग कर्मचारियों और दिन-रात परिश्रम करने वाले सफाई मित्रों को संस्थान के निदेशक और वरिष्ठ अधिकारियों ने मंच पर प्रमाण-पत्र तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक स्वरूप 'हरित पौधे' (Green Saplings) भेंट कर सम्मानित किया।



चित्र 7.8: समापन एवं सम्मान समारोह: (ऊपर) मंच पर उपस्थित निफ्ट गांधीनगर के अधिकारी व सफाई मित्र; (नीचे) उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रहरियों व विजेताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित करते निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद।

शब्दकोश - सितम्बर 2025

शब्द	वाक्य प्रयोग	शब्द	वाक्य प्रयोग
प्रयोजन Purpose	प्रशिक्षण का प्रयोजन कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाना है। <i>The purpose of training is to enhance employee efficiency.</i>	प्रबोधन Awakening or Enlightenment	प्रशिक्षण का प्रयोजन कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाना है। <i>The purpose of training is to enhance employee efficiency.</i>
समष्टि Collective	समाज की समष्टि उन्नति में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। <i>Each individual plays a vital role in the collective progress of society.</i>	शिष्टाचार Etiquette	कार्यस्थल पर शिष्टाचार व्यावसायिक संबंधों को सुदृढ़ करता है। Etiquette at the workplace strengthens professional relationships.
अनुशासन Discipline	अनुशासन के बिना कार्यस्थल पर प्रगति संभव नहीं। <i>Without discipline, progress at the workplace is impossible.</i>	परिशीलन Evaluation or Critical Review	नीति के प्रत्येक पहलू का परिशीलन आवश्यक है। Critical review of every policy aspect is essential.
कर्तव्य Duty	प्रत्येक कर्मचारी का प्रथम धर्म उसका कर्तव्य है। <i>The primary duty of every employee is their responsibility.</i>	दृष्टिकोण Perspective	नए दृष्टिकोण से समस्या का समाधान सरल हो सकता है। A new perspective can simplify problem-solving.
नियोजन Strategizing	प्रभावी नियोजन से संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग संभव होता है। <i>Effective strategizing ensures optimal use of resources.</i>	सुगमता Accessibility or Ease	सूचना की सुगमता से पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। Ease of access to information ensures transparency.
सतर्कता Vigilance	प्रशासन में सतर्कता भ्रष्टाचार को रोकने का आधार है। <i>Vigilance is the foundation for curbing corruption in administration.</i>	सुदृढ़ीकरण Strengthening	नीतियों के सुदृढ़ीकरण से संस्थागत स्थिरता आती है। Strengthening of policies leads to institutional stability.
सशक्तिकरण Empowerment	कर्मचारी सशक्तिकरण से संस्थान में आत्मबल आता है। Employee empowerment strengthens institutional morale.	निष्पादन Execution	योजना का निष्पादन जितना प्रभावी होगा, परिणाम उतने ही श्रेष्ठ होंगे। The more effective the execution of a plan, the better the results.
मूल्यांकन Assessment	नियमित मूल्यांकन से प्रदर्शन में निरंतर सुधार होता है। Regular assessment brings continuous improvement in performance.	सुनिश्चितता Certainty	प्रक्रियाओं की सुनिश्चितता से भ्रम की स्थिति समाप्त होती है। Certainty in processes eliminates confusion.

शब्दकोश - सितम्बर 2025

शब्द	वाक्य प्रयोग	शब्द	वाक्य प्रयोग
उद्यमशीलता Entrepreneurship	उद्यमशीलता से ही नवाचार और आत्मनिर्भरता को बल मिलता है। <i>Entrepreneurship fosters innovation and self-reliance.</i>	विस्तृतकरण Expansion	विस्तृतकरण से सेवा का दायरा बढ़ाया जा सकता है। Expansion helps in widening the scope of service.
विवेकशीलता Discretion	विवेकशीलता से लिया गया निर्णय संस्थागत हित में होता है। <i>A decision taken with discretion benefits the institution.</i>	स्वायत्तता Autonomy	स्वायत्तता से संगठन में उत्तरदायित्व का भाव विकसित होता है। Autonomy cultivates a sense of responsibility within an organization.
संगति Congruence	नीतियों की संगति से ही क्रियान्वयन में सफलता मिलती है। <i>Policies aligned in congruence ensure successful execution.</i>	परिपक्वता Maturity	परिपक्वता कार्यस्थल पर निर्णय लेने की योग्यता बढ़ाती है। Maturity enhances decision-making skills at the workplace.
पारदर्शिता Transparency	पारदर्शिता से जनता का विश्वास बढ़ता है। Transparency increases public trust.	तर्कसंगतता Rationality	नीतियों में तर्कसंगतता से उनका क्रियान्वयन प्रभावी होता है। Rationality in policies ensures effective implementation.
उत्तरदायीकरण Accountabilization	प्रत्येक विभाग का उत्तरदायीकरण आवश्यक है। Every department must be brought under accountability.	नवाचारिता Innovation	नवाचारिता से संगठन को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है। Innovation gives a competitive edge to the organization.





राजभाषा अनुभाग
राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर
वस्त्र मंत्रालय , भारत सरकार

जय हिंद